The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

रांची

22/**03/202**1

इकफ़ाई विश्वविद्यालय में "ग्रामीण भारत में समावेशी विकास" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वामी आत्मप्रियनन्द सम्बोधन

इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड में ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओएस) के माध्यम से ग्रामीण भारत में समावेशी विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का वालेडिकटोरी (समापन) सत्र का आयोजन किया गया। इस आयोजन में स्वामी आत्मप्रियनन्द, प्रो-कुलपति, राम कृष्ण मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय, डॉ। के.के. नाग, रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, श्री प्रदीप हजारी, विशेष सचिव, कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार और श्री एस के मजुमदार, पूर्व सीजीएम, नाबार्ड माननीय अतिथि थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर ओ आर एस राव, वेलेडिकट्री सत्र में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, "इस संगोष्ठी में भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, सरकार के नीति निर्माताओं और उद्योग चिकित्सकों को आकर्षित किया। ग्रामीण भारत के विकास के संबंध में स्थिति का जायजा लेने के अलावा, संगोष्ठी ने इसके मुद्दों और चुनौतियों को समझने, वास्तविक जीवन के मामलों के अध्ययन और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और कार्यान्वयन के लिए कार्रवाई के बिंदुओं पर पहुंचने में मदद की।

स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए, श्री प्रदीप हजारी ने कहा, "आज भारत में 1 करोड़ से अधिक एसएचजी कार्यरत हैं, जो 12 करोड़ से अधिक परिवारों का समर्थन कर रहे हैं। कोविद-19 के दौरान, उनके द्वारा लगभग 1.32 करोड़ फेस मास्क तैयार किए गए थे। श्री हजारी ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मूल्य-श्रृंखला में उनके योगदान को एकीकृत करना महत्वपूर्ण है। डॉ के के नाग ने सभी प्रतिभागियों को समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करने की सलाह दी ताकि विकास समावेशी हो।

स्वामी विवेकानंद के संदेशों को याद करते हुए, स्वामी आत्मप्रेमानंद ने प्रतिभागियों को पूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित किया और "गरीबों को देने" के दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा और अनुसंधान के अलावा, विश्वविद्यालयों को एक विस्तार गतिविधि के रूप में इस सामाजिक जिम्मेदारी को लेनी चाहिए। स्वामीजी ने कहा की छात्रों को देश की समस्याओं के बारे में अवगत कराया जाना चाहिए और विश्वविद्यालय में उनके सीखने का उपयोग करते हुए, समस्याओं को हल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आरकेवी विश्वविद्यालय के छात्र "ग्रामीणों के बीच कुछ दिनों तक रहना" सीखते हैं और कक्षा में सीखने की तुलना में यह सीखना अधिक मूल्यवान है। स्वामी आत्मप्रेमानंदजी ने ग्रामीण भारत के समावेशी विकास के संदर्भ में एसएचजी और एफपीओ पर छात्रों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड की प्रशंसा की।

श्री बालकृष्ण सिंह और डॉ। विशाल कुमार को बेस्ट पेपर का पुरस्कार दिया गया। निर्णायक मंडल का नेतृत्वकर्ता डॉ। हरिहरन ने विजेताओं को बधाई देते हुए उन मापदंडों की व्याख्या की जो सर्वश्रेष्ठ पेपर के चयन में गए थे।

प्रोफेसर अरविंद कुमार, रजिस्ट्रार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। डॉ। भागवत बारिक, अस्सस्ट डीन और सेमिनार के को-ऑर्डिनेटर और अन्य संकाय सदस्यों और छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सुश्री तन्नू प्रिया, एमबीए की छात्रा ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

======

Campus ; 2065, Daladali Chowk, Simalia, Near Kathal Mode, Ranchi-834 005, Tel: 0651-2100254.
City Office: 2167/A, Opp IDBI Bank, Ashok Nagar, Ranchi-834 002, Tel: 0651-2245178 ,2240470, 092040-62414.